परम पू. कैलाश जी 'मानव'

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » 5 ● वर्ष-11 ● अंक » 131 ● मुद्रण तारीख » 1 नवम्बर-2022 ● कुल पृष्ठ » 28

संस्थान में 501 दिव्यांग कन्याओं का महापूजन

देवी अंश कन्याओं का मिला आशीर्वाद

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

हाड़ कंपाती ठण्ड में कोई गरीब ठिठुरने न पाए।

निःशुल्क कम्बल एवं स्वेटर वितरण

कृपया जरूरतमंदों के लिये सामर्थ्यानुसार सहयोग करें।

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

1 नवम्बर, 2022

वर्ष 11 अंक 131 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 28

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

Web www.narayanseva.org
E-mail info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 November, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

सेवा सौभाग्य

दिव्यांगजन को आशीर्वाद देने एक बार संस्थान में अवश्य पधारें - श्रीमान्

इस माह में पाठकों हेतु

अनूठा कर्तव्यपालन 06

थावर के घर भी जले खुशी के दीप 09

देवी अंश कन्याओं का मिला आशीर्वाद 12

गहरी उदासी में खुशी की हिलोर 14

भक्ति -भगीरथी का सतत् प्रवाह 19

झीनी-झीनी रोशनी (43) 20

सम्पादकीय

वर्तमान की नींव पर भविष्य का निर्माण

मानव ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। जीवन को हम अपने तथा दूसरों के अनुभवों से सुखमय बना सकते हैं। समय का सदुपयोग करें। दूसरों में बदलाव देखने से पहले अपनी कमियों को देखें और खुद में बदलाव करें। हिम्मत न हारें, मुस्कराते रहें।

समय और उम्र किसी का इंतजार नहीं करते। वे अपनी गति से बढते रहते हैं। वक्त हमें हर पल सीख देता है, लेकिन हम समझने का प्रयास ही नहीं करते और व्यर्थ के झगड़ों व कार्यो में उलझ कर अमूल्य समय को बर्बाद कर देते हैं और जीवन को व्यर्थ खोते जाते हैं। व्यक्ति को वर्तमान को महत्व देना चाहिए। अतीत के उन्हीं अनुभवों को याद रखना चाहिए जो हमें जीवन के रणक्षेत्र में खड़ा होने के लिए मजबूत बनाते हों।

श्री कृष्ण के जीवन को देखें वे हर परिस्थिति में मुस्कराते थे। यदि व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थिति में मुस्कराहट का साथ न छोड़े तो उसका उद्विग्न मन शांत हो जाता है और मुश्किल को सुलझाने का मार्ग मिल जाता है। कृष्ण भी वर्तमान को ही महत्व देते थे। हर विपरीत परिस्थिति का सामना वे बहुत सहजता, चतुराई से करते थे और हमेशा विजयी व सफल रहते थे। अतः आप और हम भी वर्तमान को पकड़े रहें। सफलता के सूत्र यहीं बिखरे रहते हैं। जब आप वर्तमान का सामना करने से बचते हैं और भूतकाल व भविष्यकाल में उलझ जाते हैं तो वर्तमान की अच्छी परिस्थितियां भी विपरीत हो जाती हैं। इसके विपरीत जब आप वर्तमान में जीते हैं तो विपरीत परिस्थितियां भी आपकी मुट्टी में आ जाती हैं और हल निकल आता है। जो समय के बदलाव को जानते हैं, जो संघर्ष को विपत्ति नहीं जीवनशैली मानते हैं, जो चुनौतियों को भी अभ्यास के रूप में लेते हैं और जो हर काम में अपना शत-प्रतिशत योगदान देते हैं। ऐसे लोग ही बिगड़ी स्थितियों को भी अपने वश में कर लेते हैं और सफलता के नए कीर्तिमान रचते हैं।

'सेवक' प्रशान्त भैया, संस्थान अध्यक्ष

अपनों से अपनी बात

सदाचारी का मार्ग सदैव निष्कंटक

जीवन को सार्थक करने का माध्यम है, परोपकार और सदाचार। इस मार्ग पर बढ़ कर व्यक्ति न सिर्फ स्वयं खुश रहता है अपितु परिवार और समाज को भी प्रसन्न करता है, जिस पर बाधाएं या तो आती नहीं या स्वतः हट जाती हैं।

सदाचार मानव जीवन की अमूल्य निधि है। सद्गुणों पर अवलम्बित जीवन मानवता को ऊँचाई प्रदान करता है। अर्थ (धन) तो आता और जाता रहता है। धन से रहित हो जाने पर भी यदि मनुष्य में सदाचार है, तो वह कभी क्षीण नहीं होता, किन्तु यदि कोई सदाचार से विरत हो गया, तो वह नष्ट ही हो जाता है। धन दिन -रात और सुख-दुःख की भांति परिवर्तनशील है। सदाचार से स्थायी कीर्ति मिलती है। ' सत् ' शब्द का अर्थ साधु है और साधु वही है, जो दोषरहित है। उस साधु व्यक्तित्व के आचरण को सदाचार कहते हैं, जिसके मानवीय गुण सदाचार की कसोटी में आते हैं। जन-जन की सेवा ईश्वर की सेवा है। सदाचारी के जीवन में पग-पग पर बाधाएं रहती हैं, लेकिन वह इहलोक और परलोक दोनों को जीत लेता है। नारद पुराण में वर्णित है कि आचार से धर्म प्रकट होता है और धर्म के स्वामी विष्णु हैं। अतः जो अपने आचार में सलंग्न है, उसके द्वारा भगवान श्री हरि सर्वदा पूजित होते हैं। कहा जाता है कि शिक्षा, कल्प,निरुक्त,छंद, व्याकरण और ज्योतिष, इन छह अंगों सहित अध्ययन किए हुए वेद भी आचारहीन मनुष्य को पवित्र नहीं करते। मृत्युकाल में आचार रहित मनुष्य को वेद वैसे ही छोड़ देते हैं, जैसे पंख उगने पर पक्षी अपने घोंसले को। सदाचार से मनुष्य आयु प्राप्त करता है। सदाचार रहित व्यक्ति जगत् में सदा दुःख भोगी, निंदित, रोगी तथा अल्पायु रहता है। महर्षि वेदव्यास ने महाभारत में कहा है कि सदाचार ही धर्म को सफल बनाता हैं, धन रुपी फल देता है। सदाचार से मनुष्य को सम्पत्ति प्राप्त होती है और सदाचार ही अशुभ लक्षणों का नाश कर देता है। जो सदाचार से परिपूर्ण हैं, वे श्रेष्ठजनों की गिनती में आ जाते हैं, किंतु जो सदाचार से भ्रष्ट हो गया, उसे तो नष्ट ही समझना चाहिए। सदाचार संपूर्ण बुराइयों को दूर करता है। मानव के लिए आचार कल्याणकारक परम धर्म है। आचारवान् मनुष्य सदा पवित्र, सुखी और सदैव धन्य है। यही सत्य है। परोपकार और सन्मार्ग पर चलने वालों के मार्ग सदैव निष्कंटक होते हैं। हर काल में सदाचारी सात्विक शक्तियों से सफल हुए हैं। सच्चाई के कठिन पथ पर चलकर सदाचारी मानवीय मूल्यों का सम्यक् संरक्षण करते हैं।

कैलाश 'मानव', संस्थापक-चेयरमैन

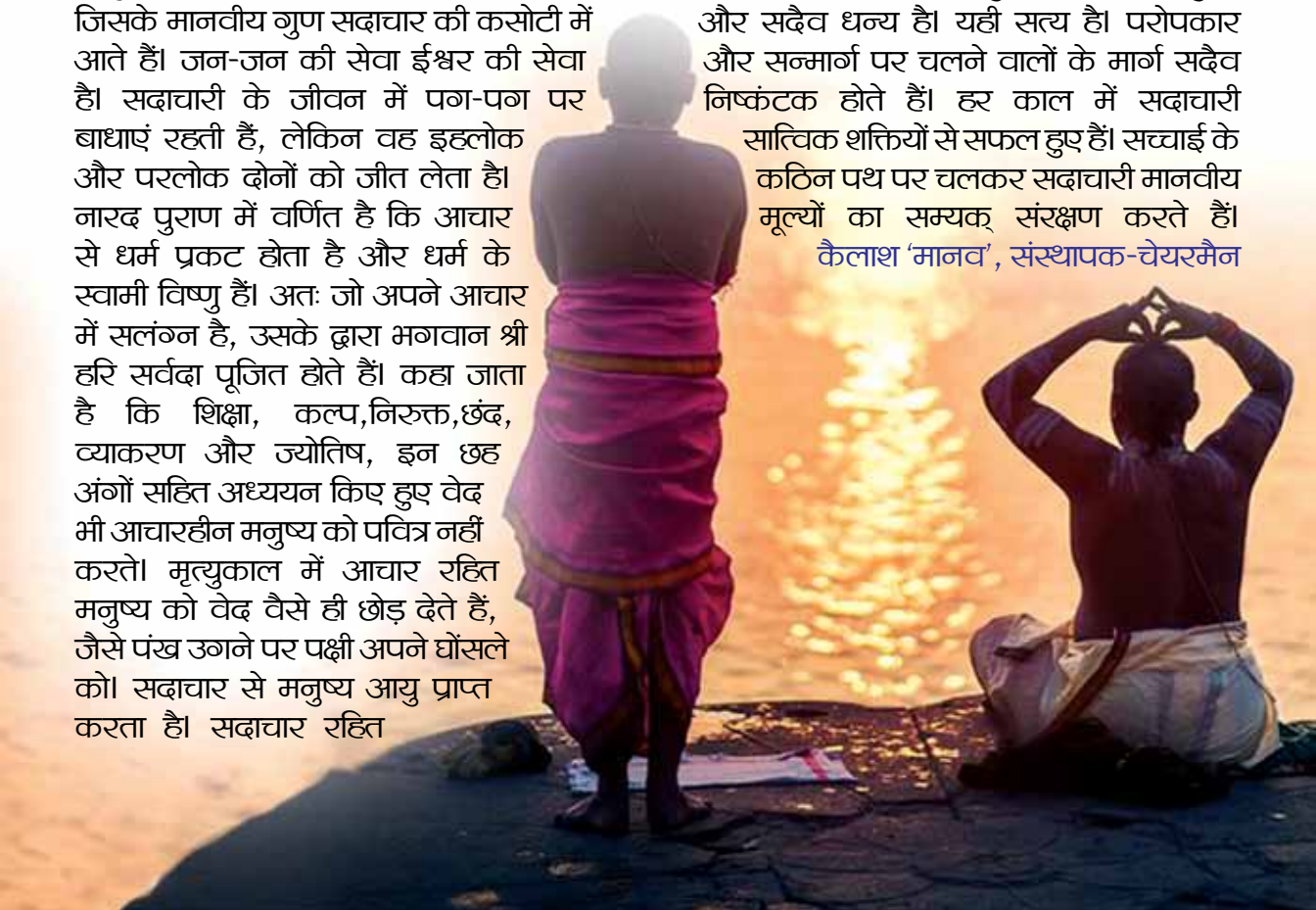

प्रेरणास्पद

अनूठा कर्तव्यपालन

मनुष्य जीवन क्षण भंगुर है। समाज उन्हीं को याद करता है, जो न केवल दूसरों के दुःख दूर करने की भावना रखते हैं बल्कि उसे अपना कर्तव्य मानते हैं, चाहे इसमें उन्हें अपना कुछ खोना भी पड़े।

अमेरिका के न्यायाधीश रॉल्फ कोहिन परम धार्मिक और कर्तव्यपरायण व्यक्ति थे। वह प्रति दिन न्यायालय जाने से पूर्व प्रार्थना किया करते थे कि किसी भी मुकदमे में मेरी कलम से न्याय की अवहेलना का आदेश न लिखा जाए। मैं अपने कर्तव्य का पूरी तरह पालन करता रहूँ। एक दिन उन्हें न्यायालय में विशेष सुनवाई करनी थी। वह घर से न्यायालय की ओर रवाना हुए। रास्ते में किसी की कार की चपेट में आए एक व्यक्ति को घायलावस्था में उन्होंने छटपटाते देखा। कार रोककर उन्होंने उसे उसमें लिटाया और अस्पताल में दाखिल करा दिया। न्यायालय पहुँचते-पहुँचते आधे घंटे का विलम्ब हो गया। न्यायालय पहुँचकर उन्होंने देखा कि कमरा खचाखच भरा है और दोनों पक्षों के वकील उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने नियमानुसार कुर्सी को प्रणाम किया। उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए वह बोले, 'आज मैं व्यक्तिगत कर्तव्य पालन की वजह से न्यायालय समय पर नहीं पहुँच पाया। मेरे विलम्ब से आने के कारण आप सबको कष्ट व असुविधा हुई है। मैं न केवल इसके लिए क्षमा मांगता हूँ, अपितु खुद पर पचास डॉलर जुर्माना लगाता हूँ।' तभी एक व्यक्ति ने कहा कि ' श्रीमान्। आप परोपकार करके आए हैं। आप मार्ग में एक घायल को अस्पताल पहुँचाने के कारण देरी से आए हैं। कृपया क्षमा न मांगे और न ही स्वयं को दण्डित करें। तो उन्होंने कहा, 'इस बात की अदालत में चर्चा करने की जरुरत नहीं है। मैने अपने धर्म का पालन मात्र किया था। अदालत तो समय से ही आना चाहिए था।' कर्तव्यपालन की उनकी अनूठी भावना देखकर सभी अभिभूत थे।

अनुकरणीय

ज़िन्दगी की नाव

जीवन में 'भलाई का कार्य' जब भी मौका मिले अवश्य करना चाहिए। भले ही वह छोटा सा ही क्यों ना हो। क्योंकि कभी-कभी छोटा सा कार्य भी किसी के लिए बहुत बड़ा और अमूल्य हो सकता है।

एक मत्स्यपालक ने एक पेंटर को अपने घर बुलाया, और अपनी नाव दिखाकर कहा कि इसको पेंट कर दो। पेंटर ने नाव को लाल रंग से पेंट कर दिया जैसा कि नाव का मालिक चाहता था। फिर पेंटर ने अपनी मज़दूरी ली और चला गया। अगले दिन, पेंटर के घर पर नाव का मालिक पंहुचा और उसने एक बड़ी धनराशि का चेक पेंटर को दिया। पेंटर भौंचक्का हो गया, और पूछा- ये किस बात के इतने पैसे हैं? मेरा भुगतान तो अपने कल ही दे दिया था। नौका मालिक ने कहा - ये पेंट का पैसा नहीं है, बल्कि ये उस नाव में जो 'छेद' था, उसको रिपेयर करने का पैसा है। पेंटर ने कहा - अरे साहब, वो तो एक छोटा सा छेद था, सो मैंने बंद कर दिया था। उस छोटे से छेद की मरम्मत का इतना पैसा, मुझे ठीक नहीं लग रहा है। नौका मालिक ने कहा - दोस्त, तुम्हें पूरी बात पता नहीं। विस्तार से बताता हूं। जब मैंने तुम्हें, पेंट करने के लिए कहा तो जल्दबाजी में तुम्हें ये बताना भूल गया कि नाव में भी एक छेद है, उसको रिपेयर कर देना और जब पेंट सूख गया, तो मेरे दोनों बच्चे उस नाव को लेकर नौकायन के लिए निकल गए। मैं उस वक्त घर पर नहीं था, लेकिन जब लौट कर आया और पत्नी से ये सुना कि बच्चे नाव को लेकर मत्स्याखेट पर निकल गए हैं तो मैं बदहवास हो गया। क्योंकि मुझे याद आया कि नाव में तो छेद है! मैं गिरता-पड़ता भागा उस तरफ जिधर मेरे बच्चे गए थे। लेकिन थोड़ी दूर पर ही मुझे वे दिख गए, जो सकुशल वापस आ रहे थे अब मेरी खुशी और प्रसन्नता का आलम तुम समझ सकते हो! फिर मैंने छेद चेक किया, तो पता चला कि,मुझे बिना बताए तुम उसको रिपेयर कर चुके हो..... तो मेरे दोस्त उस महान कार्य के लिए तो ये पैसे भी बहुत थोड़े हैं। मेरी औकात नहीं कि उस कार्य के बदले तुम्हें ठीक-ठाक पैसे दे पाऊं। मैं तुम्हारा ऋणी हो गया हूं।

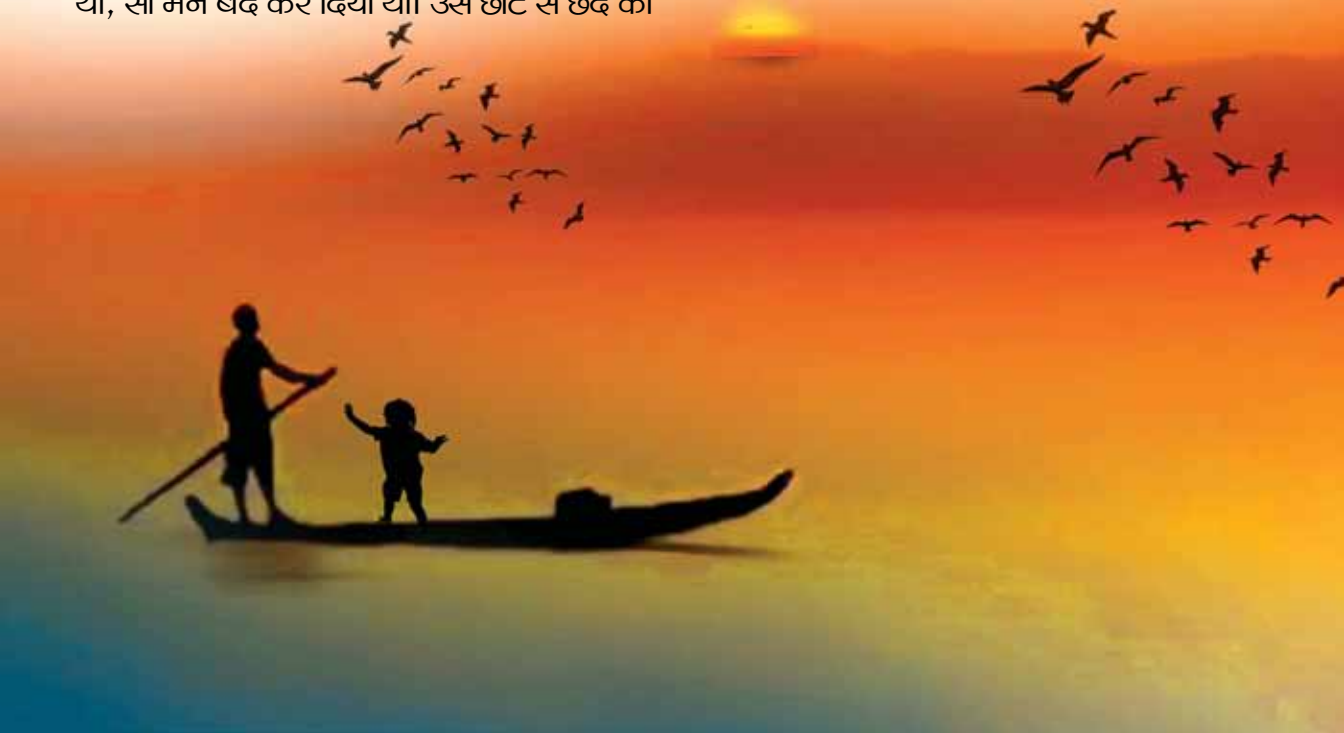

प्रेरक प्रसंग

जब संभलो, तब गनीमत

एक राजा वन भ्रमण के लिए गया। रास्ता भूल जाने पर भूख-प्यास से पीड़ित वह एक वनवासी की झोपड़ी पर जा पंहुचा। वहां से आतिथ्य मिला, तो जान बच गई। चलते समय राजा ने उस वनवासी से कहा, 'हम इस राज्य के शासक हैं। तुम्हारी सज्जनता से प्रभावित होकर अमुक नगर का चंदन बाग तुम्हें उपहार में देते हैं। उससे तुम्हारा जीवन आंनद में बीतेगा।' वनवासी को बहुमूल्य चंदन का बाग प्राप्त हो गया।

चंदन के महत्व के बारे में उसे पता नहीं था। उसकी जानकारी न होने से वनवासी चंदन के वृक्ष काटकर उनका कोयला बनाकर शहर में बेचने लगा। धीरे-धीरे सभी वृक्ष समाप्त हो गए। एक अंतिम पेड़ बचा। वर्षा के कारण कोयला न बन सका, तो उसने लकड़ी बेचने का निश्चय किया। लकड़ी का गट्ठर जब बाजार में लेकर पहुंचा तो सुगंध से प्रभावित लोगों ने उसका भारी मूल्य चुकाया। आश्चर्यचकित वनवासी ने इसका कारण पूछा तो लोगों ने कहा, ' यह चंदन काष्ठ है। बहुत मूल्यवान है। यदि तुम्हारे पास ऐसी ही लकड़ी और हो तो उसका प्रचुर मूल्य प्राप्त कर सकते हो।

' वनवासी अपनी नासमझी पर पश्चाताप करने लगा कि उसने इतना बड़ा बहुमूल्य चंदन वन कौड़ी के मोल कोयला बनाकर बेच दिया। पछताते हुए इस नासमझ को सांत्वना देते हुए एक विचारवान व्यक्ति ने कहा, 'मित्र, पछताओ नहीं। यह सारी दुनिया, तुम्हारी ही तरह नासमझ है। जीवन का एक-एक क्षण बहुमूल्य है, पर लोग उसे वासना और तृष्णाओं के बदले कौड़ी मोल में गंवाते रहते हैं।

तुम्हारे पास जो वृक्ष बचा है, तुम उसी का सदुपयोग करो। उसके बीज एकत्रित करो और समय पर बोकर फिर से बाग को चंदन के पेड़ों से हराभरा कर महका दो। बहुत कुछ गंवाकर भी कोई मनुष्य अंत में संभल जाता है तो वह बुद्धिमान ही माना जाता है।

अपनत्व

थावर के घर भी जले खुशी के दीप

उदयपुर जिले के आदिवासी अंचल काया पंचायत के सुरफलाया गांव निवासी 40 वर्षीय थावर मीणा अनपढ़ और बीमार है। बेलदारी की दिहाड़ी मजदूरी करके बड़ी मुश्किल से 6 बेटियों सहित पत्नी लक्ष्मी का भरण पोषण करता है। पिछले 2 साल से टूटे - फूटे कच्चे मकान में रहता है। आए दिन अपनी व बच्चियों की बीमारी से इतना टूट चुका है कि बच्चों को स्कूल भेजने तक की जानकारी नहीं है। किसी के भी पास आधार कार्ड तक नहीं हैं। संस्थान की टीम अध्यक्ष प्रशान्त भैया के नेतृत्व में 'हर-घर खुशियों की दीवाली' मुहिम के तहत जब इनके घर पहुंची तो पता चला कि वर्षों पहले इनका बाल विवाह हुआ था, जागरूकता के अभाव और बेटे की चाह में इनके 6 बच्चियां हो चुकी है। जो सही परवरिश को मोहताज हैं। सातवां बच्चा आने वाला है। अभावों के चलते रोज घर में झगड़े होते हैं। संस्थान टीम हालात जानकर द्रवित हो गई। तब तत्काल और स्थाई सहायता पहुंचाने की सोच के साथ संस्थान ने परिवार के सभी सदस्यों का आधार कार्ड बनाने, बच्चों को स्कूल भेजने के साथ पक्का मकान बनाने का निर्णय लेकर परिवार को अपनत्व प्रदान किया। दिनांक 13 अक्टूबर से संस्थान की ओर से कार्य शुरू भी कर दिया गया। इस परिवार के घर 'खुशियों की दीवाली' मने इसके लिए बच्चों को मिठाई, दीपक, नए कपड़े, पटाखे, बिस्किट और राशन आदि भी भेंट किए गए।

सक्सेस स्टोरी

कैलिपर पाकर निकल पड़ा अंकुर

उत्तर प्रदेश के इटावा निवासी अंकुर (17) जन्मजात पोलियों का शिकार होने के कारण दोनों पैरों से चलने-फिरने में असमर्थ था। माता-पिता ने आस-पास के अस्पतालों में दिखाया परन्तु बेटे के ठीक होने का कहीं से भी कोई भी सार्थक संकेत नहीं मिला। दिव्यांगता की पीड़ा ढोते - ढोते सत्रह बरस बीत गए। अंकुर की इस स्थिति से परिवार भी चिंतित रहता। समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या करें और क्या नहीं। बेटे के भविष्य की चिंता सताए जा रही थी। उपचार की आस में भटकते-भटकते थक से गए थे। तभी एकाएक उम्मीद की किरण जगी। पड़ोसी गांव के एक व्यक्ति ने अंकुर को नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ले जाने की सलाह दी जहां जन्मजात विकलांगों का निःशुल्क उपचार होता है। उसने बताया कि मेरी लड़की भी जन्म से ही एक पांव से दिव्यांग थी। संस्थान के उपचार ने ठीक कर दिया। अब वह आराम से चलती है। पड़ोसी की सलाह पाकर बिना समय गवाएं माता-पिता अंकुर को 9 सितम्बर 2022 को संस्थान लेकर आए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद ऑपरेशन न कर कैलिपर पहनाने की सलाह दी। 11 सितम्बर को दोनों पैरों का माप लिया और 12 सितम्बर को कैलिपर तैयार कर पहनाए। कैलिपर पहन अंकुर अब धीरे-धीरे चलने लगा। बेटे को अपने पैरो पर खड़ा होते व चलते देख माता-पिता बहुत प्रसन्न हुए। वे बताते हैं कि अंकुर अब आसपास दोस्तो से मिलने अकेला ही निकल पड़ता है।

दिव्या की दिव्यता लौटी

लखनौटी, सहारनपुर (उप्र) निवासी अमित कुमार कोरोना लॉकडाऊन के दौरान बेरोजगारी से परेशान तो था ही कि एक शाम ऐसी आई जिसने छत पर खेलती बेटी दिव्या को दिव्यांगता का आघात देकर दर - दर इलाज और मदद के लिए मजबूर कर दिया।

बीते दिनों के दुःख को याद करके रो देने वाले दिव्या के पिता बताते हैं कि 3 बच्चों सहित 5 जनों का हमारा परिवार है। मजदूरी करके जैसे-तैसे जी रहे थे। हाईवॉल्टेज बिजली लाइन की चपेट में बेटी के आने से वह पूरी तरह से झुलस गई। कड़ी मशक्कत के बाद इलाज शुरू हुआ। महीनों तक चली चिकित्सा में ऑपरेशन के बाद पहले बांया हाथ काटा फिर दूसरे ऑपरेशन में बांया पैर काट दिया। हाथ-पैरों के घाव और बेटी की चीखें जीते जी हमें भी मारे जा रही थीं। कुछ रिश्तेदारों ने मदद की तो कुछ ने पैसा उधार दिया जिससे दिव्या को जिन्दा रख सका।

एक तरफ कर्ज खाए जा रहा था दूसरी तरफ उदास हताश बेटी का चेहरा हमारी बेचैनी बढ़ा रहा था। इसी बीच नारायण सेवा संस्थान के केम्प की जानकारी मिली। जहां बेटी दिव्या को माप के बाद कृत्रिम पैर लगाया गया। अब उसे चलते और डांस करते हुए देख हमें बहुत खुशी हो रही है। दिव्या को पुनः दिव्य रूप देने वाली संस्थान का बहुत धन्यवाद। दूसरे बच्चों की तरह दिव्या भी अब स्कूल जाएगी। पढ़-लिखकर दिव्यांगता को मात देगी।

कन्या पूजन

देवी अंश कन्याओं का मिला आशीर्वाद

कन्या पूजन समारोह में देवी स्वरूप दिव्यांग कन्या को भोग अर्पित करते हुए-राजस्व मंत्री रामलाल जी जाट

नवरात्र आत्म चिंतन और प्रकृति से एकाकार होने का पर्व है। इस पर्व के साथ हमारी सनातन परम्परा, सजगता और ऋतु जनित बीमारियों से लड़ने की तैयारी भी है। यह बात 3 अक्टूबर को राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने नारायण सेवा संस्थान के बड़ी परिसर में 501 दिव्यांग कन्याओं के पूजन पर मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज को स्वस्थ्य रहने के लिए शारीरिक अनुशासन का भी संदेश देता है। उन्होंने दिव्यांगजन के शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा और पुनर्वास के क्षेत्र में नारायण सेवा संस्थान को प्रेरक संस्था बताते हुए सरकार की ओर से हर सम्भव सहायता के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने संस्थान में निःशुल्क ऑपेशन के लिए आए दिव्यांगजन से भेंट कर उन्हें फल बांटे व संस्थान के प्रकल्पों का अवलोकन किया। आरम्भ में संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी मानव ने उनका व अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने राजस्व मंत्री जी को अभिनन्दन पत्र भेंट करते हुए संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा, राज्य श्रम सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली, जिला परिवहन अधिकारी कल्पना शर्मा, गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा, उप महापौर पारस सिंघवी, सिंधी अकादमी

के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी, पुलिस उपअधीक्षक तपेन्द्र कुमार, कांग्रेस नेता गोपाल कृष्ण शर्मा, पार्षद देवेन्द्र साहू, सरपंच मदन पण्डित, कमल पाहुजा, मनोज बिसारथी थे। निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने बताया कि सभी 501 कन्याओं के दिव्यांगता सुधार के निःशुल्क ऑपरेशन इन नौ दिनों में संस्थान में ही सम्पन्न हुए। ये कन्याएं अब सकलांग होकर सुगम जीवन जीयेंगी।

चयन वितरण शिविर

गहरी उदासी में खुशी की हिलोर

दिव्यांग भाई-बहिनों की सहायतार्थ सितम्बर-22 में देश के विभिन्न कस्बों-नगरों में निःशुल्क कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) वितरण, माप एवं दिव्यागंता निवारणार्थ ऑपरेशन चयन शिविर आयोजित किए गए। शिविर में दिव्यांगजन को सहायक उपकरण व्हील चेयर, ट्राईसाइकिल, बैसाखी, श्रवणयंत्र आदि भी निःशुल्क प्रदान किए गए। जिन्हें पाकर खुश हुए, उदास सैकड़ों चेहरे।

बल्लारी

श्री गुरू पुष्कर सेवा समिति, जैन मार्केट बल्लारी (कर्नाटक) के सौजन्य से कोट्टर स्वामी मठ में दो दिवसीय शिविर 4-5 सितम्बर को सम्पन्न हुआ। जिसमें 113 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संत श्री नरेश मुनि महाराज व शिविर की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय विधायक श्री सोमशेखर जी रेड्डी तथा विशिष्ट अतिथियों ने 81 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 32 को कैलीपर प्रदान किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. बस रेड्डी, एस.एस.जैन संघ अध्यक्ष श्री केवलचंद जी, पार्श्वनाथ जैन संघ के उषभलाल जी, दिगम्बर जैन समाज के नदुमनी जी, श्री गुरू पुष्कर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष श्री प्रवीण जी पारीख, उपाध्यक्ष श्री अशोक जी भंडारी, सचिव श्री प्रकाश जी मेहता व पार्षद श्री के. ईरामा थे। अतिथियों का स्वागत शिविर प्रभारी श्री लालसिंह भाटी ने व संचालन श्री महेन्द्र सिंह रावत ने किया।

मिर्जापुर

रोटरी क्लब (विंध्याचल) के सहयोग से मिर्जापुर (उत्तरप्रदेश) में 4 सितम्बर को सम्पन्न दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में 171

दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। सुमंगल पेलैस में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि नगरपालिका चेयरमैन श्री मनोज जयसवाल थे। अध्यक्षता रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री महावीर जी सेठिया ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री राजेन्द्रनाथ अग्रवाल व श्री मनोज अग्रवाल थे। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने बताया कि शिविर में संस्थान की पी.एण्ड.ओ. डॉ. रितु परना व टीम ने 83 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 68 के केलीपर बनाने का माप लिया। दिव्यांगता निवारण सर्जरी के लिए 14 का चयन किया गया।

जयपुर

ओम शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, चाकसू के सहयोग से जयपुर में 4 सितम्बर को निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 14 दिव्यांगजन का दिव्यांगता निवारण सर्जरी के लिए जब कि 8 का केलीपर व 2 का कृत्रिम अंग लगाने के लिए चयन हुआ। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. मनोज जी सेन थे। अध्यक्षता आयोजक श्री बी.आर. चौधरी ने की। विशिष्ट अतिथि शिक्षण संस्थान की सचिव श्रीमती खेतू चौधरी, कैलाश जी चौधरी व श्री सी.एम.जांगीड़ थे। डॉ. एस.एल.गुप्ता ने जांच एवं चयन कार्य सम्पादित किया। संयोजन हरिप्रसाद लड्ढा ने किया।

श्रीकोलायत

राजस्थान के बीकानेर जिले के श्रीकोलायत में 11 सितम्बर को सम्पन्न शिविर में 22 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 29 को कैलीपर का वितरण हुआ। राज्य के ऊर्जा मंत्री भंवरसिंह भाटी व पंचायत समिति श्रीकोलायत के सहयोग से आयोजित शिविर की मुख्य अतिथि पं. समिति प्रधान श्रीमती पुष्पा देवी सेठिया थी। अध्यक्षता एसडीएम श्री प्रदीप चाहर ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री दिनेश सिंह भाटी, अमरसिंह बीका, किशोर सिंह, बलवंत कुमार, झावरलाल सेठिया व मनीष सेठिया थे। अतिथियों का स्वागत शिविर प्रभारी लालसिंह भाटी ने किया।

कानपुर

महाराजा अग्रसेन नगर, कानपुर (उत्तर प्रदेश) में भारत विकास परिषद के सहयोग से 18 सितम्बर को आयोजित दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन एवं नारायण कृत्रिम अंग माप शिविर में

130 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से 39 के लिए कृत्रिम अंग व 13 केलिपर बनाने के माप पी.एण्ड.ओ. डॉ. रितु परना व डॉ. रामनाथ ठाकुर की टीम ने लिए जबकि डॉ. विक्रम खन्ना ने निःशुल्क शल्य चिकित्सा के लिए 20 दिव्यांगजन का चयन किया। शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री के अनुसार मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष श्री विमलेश कुमार जी थे। अध्यक्षता स्थानीय परिषद की अध्यक्ष श्रीमती माया सचान ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुश्री मनीषा अग्रवाल व एल.ए.अग्रवाल थे। संचालन श्री प्रमोद दादु ने किया।

श्रीमहावीर जी

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबंधकारिणी श्री महावीर जी (राजस्थान) के सहयोग से श्रीमती चंद्रावती सिद्धोमल जैन अस्पतलाल में 18 सितम्बर को सम्पन्न शिविर में 9 दिव्यांगजन का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए डॉ.एस.एल.गुप्ता ने चयन किया। मुख्य अतिथि आर.के. मार्बल के अध्यक्ष श्री अशोक जी पाटनी थे। अध्यक्षता श्री महेन्द्र कुमार जी पाटनी ने की। विशिष्ट अतिथि श्री सुंधाशु कासनीवाल, श्री उमरावमल श्रृंगी व श्री

रूपिन काला थे। संचालन लालसिंह भाटी ने किया।

कैथल

गर्ग मनोरोग हॉस्पीटल, कैथल (हरियाणा) में संस्थान की कैथल शाखा के तत्वावधान में 2 अक्टूम्बर को निःशुल्क दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने 8 दिव्यांगजन का ऑपरेशन के लिए जब कि पीएण्डओ डॉ. रितुपरना, किशन सुथार व गोविन्द सिंह ने 40 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 26 के लिए कैलीपर बनाने का चयन कर माप लिया। शिविर के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री सुधीर मेहता थे। अध्यक्षता श्री गगन जी चावला ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कृष्ण कुमार भारती, श्रीमती दया गुप्ता व मंहत रमनपुरी जी थे। शिविर प्रभारी लालसिंह भाटी ने अतिथियों का स्वागत किया। व्यवस्था में श्री मुकेश त्रिपाठी ने सहयोग किया।

सम्बल

कैंसर ने छीना पांव-कृत्रिम अंग ने की राह सुगम

छोटी-छोटी खुशियों को बटोरते हुए परिवार के साथ राकेश तिवारी हंसते-खेलते ज़िन्दगी गुजार रहे थे, कि एक मामूली सी चोट ने ज़िन्दगी को एक पांव पर खड़ाकर छोड़ दिया, आकस्मिक घटना से खुशियां काफूर हो गई। हरियाणा के फरीदाबाद में रहने वाले राकेश तिवारी नौकरी कर पांच सदस्यीय परिवार के साथ संतुष्ट जीवन बिता रहे थे कि एक दिन काम के दौरान बांए पांव में छोटी सी चोट लग गई। उपचार भी करवाया परन्तु चोट ने धीरे-धीरे घाव का रूप ले लिया। एक माह बाद सरकारी अस्पताल में जांच से पता चला कि पांव में आंतरिक घाव के कारण कैंसर हो गया है, इसे फैलने से रोकने का एक मात्र विकल्प घाव की जगह से पांव को काटना ही होगा। इस दुःखद सूचना से परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। राकेश बच्चों के भविष्य एवं परिवार के लालन-पालन की चिंता में डूब गया, क्योकि परिवार में वही एक मात्र कमाने वाले थे। आखिर बांया पांव काटवाना पड़ा। परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होती गई। इसी बीच इसी वर्ष अगस्त माह में सोशल मीडिया से उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान के बारे में जानकारी मिली कि वहां निःशुल्क पोलियो ऑपरेशन के साथ हादसों में हाथ-पैर खो देने वालों को कृत्रिम अंग प्रदान किए जाते हैं। यह देख उम्मीद की किरण दिखाई दी। बिना समय गवाएं 10 अगस्त को संस्थान आए। जहां ऑर्थोपेडिक डॉक्टर व पीएण्डओ ने जांच कर कटे पांव का नाप लेकर दो दिन में विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर फिट किया। राकेश बताते हैं कि संस्थान ने मुझे अब दोनों पैरों पर खड़ा कर दिया, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की। कृत्रिम पांव लगने से अब फिर से मैं रोजगार से जुड़ परिवार की खराब माली हालत को सुधारते हुए बच्चों के सपनों को पूरा करने का प्रयास करूंगा।

सहायता शिविर

दिव्यांगजन में जगी जीने की ललक

350 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग बनाने, 87 की सर्जरी व 340 का सहायक उपकरण के लिए गोरखपुर में चयन

दैनिक अमर उजाला फाउण्डेशन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सहयोग से गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में 30 सितम्बर को विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन, कृत्रिम अंग माप एवं जरूरतमंद दिव्यांगजन को सहायक उपकरण-वितरण के लिए सूचिबद्ध करने हेतु शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 1746 दिव्यांग भाई-बहिन पंजीकृत हुए।महाराणा प्रताप इन्टर कॉलेज में सम्पन्न शिविर में 197 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 145 के कैलीपर बनाने का नाप लिया गया। जब कि निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 87 का चयन हुआ। सहायक उपकरण वितरण के लिए 342 दिव्यांगजन सूचीबद्ध किए गए। जिन्हें अक्टूबर के अन्त में ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, वॉकिंग स्टीक, वॉकर आदि का वितरण किया जाएगा। मुख्य अतिथि नगर आयुक्त श्री अविनाश सराफ थे। अध्यक्षता ऐसपरा ज्वेलर्स के निदेशक श्री अतुल सराफ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर एमपी इन्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री अरूण कुमार व दैनिक अमर उजाला के शहर प्रबंधक श्री सन्तोष सिंह थे। शिविर की संचालन टीम में सर्वश्री रोहित तिवारी, नरेन्द्र सिंह, मुकेश शर्मा, हरिप्रसाद लड्ढा, सुनील श्रीवास्तव व गोपाल स्वामी

थे। डॉ. विक्रम खन्ना ने ऑपरेशन योग्य, दिव्यांगजन का जबकि पी.एण्ड.ओ. डॉ. रोली शुक्ला व डॉ. रामनाथ ठाकुर ने कृत्रिम अंग व केलीपर बनाने का माप लिया।

कथा ज्ञान यज्ञ

भक्ति -भगीरथी का सतत् प्रवाह

देश के विभिन्न शहरों-कस्बों में प्रति माह संस्थान लोकमंगल तथा आत्मोपलब्धि के लिए सत्संग-कथा ज्ञान यज्ञ के आयोजन कर शक्ति, शील और सौन्दर्य के समन्वित प्रतीक भारत के पूज्य एवं आदर्श महापुरूषों-देवीयों का कथा मर्मज्ञों के माध्यम से गुणानुवाद करवाता रहा है। इसी क्रम में अक्टूबर में तीन भव्य आयोजन सम्पन्न हुए।

महाराजपुर

नरसिंहपुर रोड - महाराजपुर जिला सागर (म. प्र.) में 5 से 11 अक्टूबर तक श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। श्रीमती प्रियंका-विकास जी पाठक एवं ग्रामवासियों के सौजन्य से आयोजित इस ज्ञानकथा की व्यासपीठ पर विद्वान कथा वाचक पूज्य श्री रमाकांत जी महाराज बिराजित थे। उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन में परोपकार के ऐसे कार्य करने चाहिए, जिससे जीवन सार्थक होकर जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाए। उन्होंने श्रीमद् भागवत जी के विभिन्न प्रसंगों का मार्मिक अनुशीलन करते हुए कहा कि इस कथा के श्रवण मात्र से ही जाने-अनजाने में किए पाप से भी मुक्ति मिल जाती है। कथा का 'सत्संग' चैनल से सीधा प्रसारण हुआ।

सेवामहातीर्थ, उदयपुर

संस्थान के बड़ी ग्राम स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में 7 से 13 अक्टूबर तक प्रतिदिन सांय 4 से 7 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हुआ। इसका आयोजन विशेष रूप से देश के विभिन्न भागों से संस्थान में दिव्यांगता सुधार के लिए निःशुल्क सर्जरी के लिए आने वालों के लिए किया गया था। हाड़ा सभागार में व्यासपीठ से अमृत वर्षा करते हुए कृष्णानुरागी पं. शिवम् विष्णु जी पाठक ने दिव्यांगजन व उनके परिजनों से कहा कि संकट हमेशा नहीं रहता, ऐसे समय में जो नित्य-प्रति ईश्वर का स्मरण करता है, उसके समस्त दुःख-कष्ट प्रभु हर लेते हैं। भगवान का नाम लेने मात्र से शुद्धता, सकारात्मकता और नव ऊर्जा का संचार होता है। कथा का सातों दिन 'आस्था' चैनल से देशभर में सीधा प्रसारण किया गया।

उदयपुर

संस्थान के डिडवानिया सभागार में 16 से 22 अक्टूबर तक आयोजित ज्ञान कथा की व्यासपीठ से कथा व्यास देवी हेमलता जी शास्त्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत एवं अन्य पौराणिक महापुरूषों, देवीयों के आदर्श चरित्र के पारायण से आन्तरिक चेतना का जागरण होकर जीवन की सार्थकता का मार्ग प्रशस्त होता है। देवीजी का संस्थान की ओर से ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा ने अभिनन्दन किया। कथा का 'सत्संग' चैनल से देशभर में सीधा प्रसारण हुआ।

सेवा यात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (42)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

कैलाश को लगा जैसे उसका कार्य सिद्ध हो गया है, उसने विजयी मुस्कान के साथ कहा कि आपके पति को थोड़ी सी लगी है जिसमें आपने रो रो कर पूरे अस्पताल को सिर पर उठा लिया है मगर इस लड़के के तो हाथ-पांव काट लिये गये हैं फिर भी देखो किस शांति से सो रहा है। कैलाश ने वापस उसे चद्दर ओढ़ा दी और स्त्री को लेकर पुनः उसके वार्ड की तरफआगे बढ़ा। स्त्री को जैसे झटका लग गया, रोना तो दूर उसके मुँह से एक शब्द तक नहीं निकल रहा था। कैलाश ने इस क्षण को उचित समझा, जैसे लोहा गर्म हो और हथौड़े की मार का समय हो गया हो उसी तरह कैलाश ने मार करते हुए कहा कि आप रोते रहोगे तो न तो आपके पति का और न ही अस्पताल के बाकी मरीजों का कोई भला हो पायेगा। स्त्री ने विश्वास के साथ कहा कि अब वह नहीं रोयेगी।

अस्पताल का वातावरण बरबस ही कैलाश को अपनी तरफ खींच रहा था। अब उसके मन में यह ईच्छा जाग्रत होने लगी कि वह कोई ऑपरेशन होते हुए देखे। किस तरह डॉक्टर शरीर की चीर-फाड़ करते हैं, शरीर के अन्दर क्या होता है, डॉक्टर कैसे शल्य क्रिया कर सब ठीक कर देते हैं। एक दिन डॉ. खत्री से उसने अपनी ईच्छा व्यक्त की। डॉ. ने कहा कि कभी ऐसा कोई ऑपरेशन करना पड़ा तो वे उसे बुला लेंगे।

कैलाश की बहुत जिज्ञासा थी कि मानव शरीर की आन्तरिक रचना देखे। वह चाहता था कि सभी लोगों को अपने शरीर के आन्तरिक अंगों की जानकारी होनी चाहियें अस्पतालों में शारीरिक अंगों के चार्ट वह गौर से देखता था तथा महसूस करता था कि इनका मोडल के रूप में प्रदर्शन हो तो ज्यादा अच्छी तरह से समझ में आ सकता हैं।

पिण्डवाड़ा दुर्घटना से लाये घायलों को तीन-चार दिन हो रहे थे। कैलाश का अस्पताल का फेरा नियमित कार्यक्रम बन गया था। वह अपने साथ हमेशा फल-बिस्किट वगैरह लेकर जाता था। इनकी संख्या बढ़ने लगी तो उसने कमला से कन्धे पर लटकाने का एक झोला सिलवा लिया। अस्पताल में इस बीच कुछ नये मरीज भी भर्ती हुए थे। कैलाश सबको अपने झोले से फल वगैरह निकाल कर देता था। पुराने मरीज तो सब उसे जानते थे मगर नये मरीज उसकी तरफ जिज्ञासा से देखते कि यह कौन व्यक्ति है जो इस तरह से सेवा करता है। कैलाश ने सबसे मित्रता कर ली तो सब हिलमिल गये।

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री दयाशंकर त्रिवेदी व
श्रीमती मांची देवी,मुम्बई (महा.)

श्रीमती गीता जी मेहता एवं परिवार
आर्केडिया (यूएसए)

शाखा प्रेरणा स्त्रोत सितम्बर 2022

शाखा संयोजक
डॉ. विवेक गर्ग
कैथल (हरियाणा)

सेवा प्रेरक
श्री पूरण चन्द गुप्ता
दिल्ली (नई दिल्ली)

सेवा प्रचारक
श्री आदाराम धुलाजी
भाटिया, सिरोही (राज.)

हार्दिक श्रद्धांजलि

संस्थान के सम्माननीय दानदाता आगरा निवासी स्व. श्री कमल जी श्रीवास्तव का आकस्मिक निधन 16 सितम्बर-2022 को हो गया। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने श्री कमल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वे अपने पीछे श्री नीरज श्रीवास्तव, श्री अमित श्रीवास्तव व पुनित श्रीवास्तव सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सांस्कृतिक संध्या

'श्रीराम-रावण' संवाद ने बांधा समा

विजया दशमी पर्व पर 5 अक्टूबर को नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में सेक्टर-4 स्थित मानव मंदिर प्रांगण में भव्य सांस्कृतिक संध्या में लोगों ने भरपूर आनंद लिया। संस्थापक पूज्य गुरूदेव कैलाश जी मानव, गुरू माता कमला देवी जी के सानिध्य में सम्पन्न भक्ति परक सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण श्री राम-रावण संवाद था। इसके अतिरिक्त कलाकारों ने शिव तांडव, श्री राम-शक्ति पूजा, रासलीला, महिषासुर-मर्दन, शिव बारात, राम -रावण युद्ध, नृत्य - नाटिकाओं की भावपरक प्रस्तुतियां दी। संस्थान की संगीत टीम ने सुमधुर भजनों से संध्या में समां बांधा। समारोह में हिरण मगरी क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में आये। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल व निदेशक वंदना अग्रवाल ने श्री राम दरबार की आरती की। संयोजन महिम जैन ने किया।

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राह

कृपया 1 लाख रू. का सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- कंप्यूटर प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

त के विभिन्न आयाम

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ़, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला कैन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढ़ा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनुप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछर, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भदवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

नागपुर
08306004806, प्लॉट नंबर 37, गोरले ले आउट,गोपाल नगर, दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणोश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

करनाल
मो.: 8306004815, मकान न. 415, सेक्टर-6, करनाल 132001

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर कोला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेंडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नीरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084, दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693 श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, खिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435,8588835716 184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कोलाघालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435,8588835716 श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 8306008208
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶ ....सहयोग मद ▶ ....

उपलक्ष्य में/स्मृति में ▶ ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ▶ ....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप

.... दिनांक ▶ ....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶ ....

जिला ....पिन कोड ....राज्य ....

मो. नं. ....वाट्सअप नं. .... ई-मेल ....

हस्ताक्षर

डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया

व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन

समर्थित

B.C.C.I. P.C.I.

प्रस्तुत करता है

एसोसिएशन में

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

तीसरी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप-2022

300 व्हीलचेयर क्रिकेटर्स

1 सिटी

7 दिन

16 टीम

दुनिया का सबसे बड़ा व्हीलचेयर स्पोर्ट्स इवेंट

27 नवम्बर से 3 दिसम्बर-2022, उदयपुर (राजस्थान)

Seva Soubhagya, Print Date 1 November, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-